वागड़ संदेश

Tital Code : RAJHIN27802

www.wagadsandesh.com

जन मन की आवाज

सम्पर्क

ई-पेपर मे खबरे व विज्ञापन के लिये सम्पर्क करें

ई-मेल - editorwagadsandesh@gmail.com

8890633631
9309255545
6351581818

वर्ष-1 अंक-172 सागवाड़ा, शुक्रवार,25 फरवरी, 2022 अवधि: हिन्दी ई-पेपर पृष्ठ-1, मूल्य-10 रु. (वार्षिक)

बंदूक की नोक पर तीन बदमाशो ने बनकोडा बैंक ऑफ़ बड़ोदा में की लूट

लोगो का ध्यान भटकाने के लिए छोटे नोटों की गड्डी उछालकर फरार हुए नकाबपोश बदमाश

आसपुर। जिले के दोवडा थाना क्षेत्र के बनकोडा गांव में बंदूक की नोक पर तीन नकाबपोश बदमाशो द्वारा बैंक ऑफ़ बड़ोदा में लूट करने का मामला सामने आया है। कैशियर को बंदूक दिखाकर बदमाश 5 लाख रुपए से अधिक की राशि लूट ली। वही लोगो का ध्यान भटकाने के लिए छोटे-नोटों की गड्डी हवा उछालकर बाइक पर फरार हो गए। इधर वारदात के बाद पुलिस ने जिलेभर में नाकेबंदी करवाई है। डूंगरपुर जिले के दोवडा थानाधिकारी कमलेश चौधरी ने बताया की शुक्रवार दोपहर के समय करीब सवा 3 बजे के आसपास बैंक ऑफ बड़ौदा में लूटपाट की वारदात हुई है। उन्होंने बताया की बैंक में सामान्य दिनों की तरह बैंककर्मी काम कर रहे थे। बैंक में कुछ उपभोक्ता लेनदेन कर रहे थे। उसी समय एक बाइक पर आए तीन नकाबपोश बदमाश बैंक में घुस गए। नकाबपोश बदमाशो ने बैंक कैशियर व अन्य कर्मचारियों पर पिस्तौल तान दी। इससे बैंक कर्मचारी डर गए। बदमाशो ने पिस्तौल लहराते हुए केस काउंटर से 5 लाख रुपए से अधिक का केश लूट लिए। हालाकि अभी राशि की निश्चित संख्या का पता नहीं चला है।

लूटपाट के बाद तीनों बदमाश पिस्तौल लहराते हुए बैंक से बाहर निकले और लोगो का ध्यान भटकाने के लिए 10 से 20 रुपए के छोटे नोटों की गड्डियो को हवा में उड़ा दी। वही बाइक पर बैठकर तीनो नकाबपोश बदमाश मौके से फरार हो गए। वही घटना के बाद मौके पर लोगो की भीड़ जमा हो गई। वही वारदात के बाद बैंक कर्मियों ने मामले की सुचना दोवडा थाना पुलिस को दी। सुचना पर दोवडा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटना की जानकारी लेते हुए जिलेभर में नाकेबंदी करवाई। वही बैंक में पुलिस ने सीसीटीवी केमरे खंगाले। इस दौरान सीसीटीवी फुटेज में पहले 3 युवक बैंक के बाहर गेट पर पीठ करके बैठे हुए थे। वही इसके बाद तीनो बदमाश बैंक में अन्दर घुसे और बंदूक लहराते हुए लोगो को डराया और कैश काउन्टर पर कैशियर पर बंदूक तान दी। फिलहाल जिलेभर में पुलिस की नाकेबंदी जारी है हालाकि बदमाशो का कोई सुराग नहीं लगा है वही पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर बदमाशो की तलाश में जुटी है। इधर बैंक मेनेजर कांशीराम मीणा ने बताया की वह और उसका एक बाबू लोन राशी वसूली के लिए बाहर गए थे। वारदात का जैसे पता लगा वे पहुंचे है। उन्होंने बताया की वैसे बैंक में 30 से 35 लाख कैश होता है लेकिन कैश 5 से 10 के बीच में था। हालाकि कितना कैश लूटा गया है उसका पता कर रहे है।

डूंगरपुर नगर परिषद के सभापति ने पेश किया 75 करोड़ 35 लाख बजट

शहर के हाउसिंग बोर्ड अंबेडकर भवन के पीछे बनेगी वागड़धाय फ्लेट्स आवासीय कॉलोनी

डूंगरपुर। नगर परिषद बोर्ड की बजट बैठक आज नगरपरिषद सभागार में सभापति की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बजट बैठक में डूंगरपुर के सभापति अमृत कलासुआ ने शहर के विकास, नई कॉलोनियों को डवलप करने के साथ ।5 करोड़ 35 लाख 560 हजार रुपए का शहरी सरकार का वार्षिक बजट पेश किया। इस बार बजट में खर्च राशि में 32 करोड़ 6 लाख ।7 हजार रुपए की कमी की गई है। डूंगरपुर नगरपरिषद सभापति अमृत कलासुआ की ओर से पेश किए गए बजट में बताया की 47 करोड़ 67 लाख 25 हजार रुपए का राजस्व आय होगी, जबकि 19 करोड़ 22 लाख 99 हजार रुपए की पूंजीगत आय प्राप्त होगी। सभापति ने बजट में हाउसिंग बोर्ड अंबेडकर भवन के पीछे आवासीय जमीन पर वागड़धाय सोसायटी के नाम से जी 3 फ्लेट बनाने की प्लानिंग कर नगर नियोजक विभाग उदयपुर से अनुमोदन करने का प्रपोजल रखा। सभी पार्षदों ने सहमति जताई। शहर के भोईवाड़ा नाले को फिर से बनाने का प्रपोजल रखा। सलाटवाड़ा में पुरानी विजय स्कूल को नया बनाने या परिषद की हैंड ओवर करने का प्रपोजल रखा। राज्यसभा सांसद हर्षवर्धनसिंह ने ऐतिहासिक विजय स्कूल की विरासत को संभालकर रखने और सोमपुरा मूर्तिकला को देने की बात कही। सभापति ने 10 सालो से काम कर रहे नगर परिषद के कर्मचारियों को स्थाई करने या न्यूनतम वेतन बढ़ाने का प्रपोजल रखा। पार्षदों ने मानदेय बढ़ाने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। वही कनिष्ठ लिपिक व फायरमैन के पदोन्नति के प्रस्ताव को भी स्वीकृति दी। कोरोना की वजह से नीलामी में पैसे जमा नहीं करवा सके लोगों को पेनल्टी में छूट देते हुए रेगुलराइज करने की सहमति बनी। बैठक में नगर परिषद की समितियों के गठन में नियमों की अनदेखी पर पार्षद शार्दुल सिंह राठौड़ आपत्ति जताई और नियम के अनुसार ही समितियां बनाने सरकार से अनुमोदन करवाने की बात कही। सभापति ने सरकार को एक बार फिर प्रपोजल भेजने की बात कही। वही बैठक में पार्षद शार्दूल सिंह ने करोड़ो की जमीनों पर अतिक्रमण का मुद्दा उठाते हुए अतिक्रमण मुक्ति की मांग की। वही बैठक में पार्षद राजीव चौबीसा ने आमजन से कर्मचारियों द्वारा बदसलूकी के आरोप लगाए वही पार्षद प्रियंका ने बोर्ड बैठक में उनकी और से रखी जाने वाली समस्याओ का समाधान नहीं होने का आरोप लगाया। इधर पार्षद फ़रज़ाना ने एतिहासिक पातेला तालाब की दुर्दशा रोकने का मुद्दा उठाया। बैठक में सांसद कनकमल कटारा, आयुक्त नरपत राजपुरोहित, उपसभापति सुदर्शन जैन मौजूद रहे।

तीन निजी स्कूलों को किया पाबंद

जयपुर। शिक्षा विभाग ने राजधानी जयपुर के तीन निजी स्कूलों के खिलाफ शिकायत आने के बाद एक बार फिर बड़ा एक्शन लेते हुए उन्हें पाबंद करने के निर्देश दिए हैं। जवाहर नगर स्थित सीडलिंग स्कूल, मानसरोवर स्थित आईआईएस और सेंट जेवियर स्कूलों को पाबंद करने के निर्देश संयुक्त निदेशक शिक्षा घनश्याम जाट ने जिला शिक्षा अधिकारी मुख्यालय माध्यमिक को जारी किए हैं। यह निर्देश अभिभावक एकता संघ राजस्थान के प्रदेश संयोजक मनीष विजयवर्गीय की ओर से इन स्कूलों को लेकर की गई शिकायतों के बाद किए गए हैं। विजयवर्गीय ने बताया कि संस्था की हेल्पलाइन पर इन स्कूलों के खिलाफ अभिभावकों की शिकायत प्राप्त स्कूल हुई थी। जिसके बाद संघ के शिक्षामंत्री बीडी कल्ला को इस संबंध में ज्ञापन देकर निजी स्कूलों में ऑनलाइन परीक्षाओं का विकल्प देने की मांग की थी।

घर में फांसी पर लटके बेटे को बचाने मां ने रस्सी काटी, लेकिन नहीं बचा पाई जान

डूंगरपुर। जिले के सदर थाना क्षेत्र के पीपलादा लेमडिया गांव में एक युवक ने घर में फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। फंदे पर लटके बेटे को बचाने मां ने दांतली से रस्सी काट दी लेकिन फिर भी उसकी जान नहीं बच सकी और डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। कारणों का खुलासा नहीं हो पाया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है । डूंगरपुर जिले के सदर थानाधिकारी हजारीलाल मीणा ने बताया की पीपलादा फला लेमडिया निवासी 32 वर्षीय मगनलाल कलासुआ एक माइंस पर मजदूरी का काम करता है । 6 दिन पहले मगन की पत्नी हाजु अपने 2 बेटो को लेकर अपने पीहर सिद्डी भाटड़ा पीहर गई थी। घर पर मगन के साथ उसकी मां मीरा, 12 वर्षीय बेटी सपना व 9 वर्षीय निशा घर पर अकेले थे। गुरुवार रात के समय मां और दोनो बच्चे घर के आगे के भाग में सोए थे, जबकि मगन घर के अंदर के भाग में सोया था। इस दौरान मगन के कमरे से कुछ आवाज आई तो मगन की माँ मीरा ने उठकर कमरे में जाकर देखा तो उसका बेटा मगन लकड़ी के पाट से रस्सी का फंदा लगाकर लटका हुआ था। बेटे को इस तरह से लटका देख उसके होश उड़ गए। जिस पर मां मीरा ने दातली उठाई और रस्सी को काट दिया। इधर मीरा के चिल्लाने से आसपास के लोग एकत्रित हो गए। वही ग्रामीण मगन को गंभीर हालत में डूंगरपुर हॉस्पिटल लेकर आए इस दौरान डॉक्टर ने जांच के बाद मगन को मृत घोषित कर दिया। इसके बाद मगन के शव को मोर्चरी में रखवाया गया। इधर परिजनों की सूचना पर सदर थाने से एएसआई नरेंद्रसीह, कांस्टेबल गोविंदसिंह रात को जिला अस्पताल की मोर्चरी पहुंचे। वही घटना की जानकारी ली। इसके बाद पुलिस ने शव को डूंगरपुर जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया। वही आज सुबह वापस परिजन व पुलिस जिला अस्पताल की मोर्चरी पहुंचे जहा पर पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों के सुपुर्द किया। फिलहाल आत्महत्या के कारणों का खुलासा नहीं हो पाया है पुलिस ने मृतक के भाई नारायणलाल की रिपोर्ट पर केस दर्ज कर लिया है। वही पुलिस मामले की जांच में जुटी है। इधर मगनलाल की मौत के बाद उसके चार बच्चो के सिर से पिता का साया उठ गया है।

वसुंधरा राजे सहित 50 विधायकों ने आईफोन और बैग कटारिया को सौंपा

जयपुर। बजट पेश होने के बाद विधायकों को उपहार में मिले आईफोन पर हुई सियासत कम होने का नाम नहीं ले रही है। नेता प्रतिपक्ष और सचेतक के आदेश के बाद भी 20 से ज्यादा विधायकों ने अपना आईफोन और बैग नहीं लौटाया है। अब तक 50 के करीब विधायकों ने आईफोन और बैग नेता प्रतिपक्ष को सौंपे हैं। पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने भी उपहार में मिले आईफोन और बैग को लौटा दिया है।

यूक्रेन में फंसे 800 राजस्थानी स्टूडेंट्स

जयपुर। यूक्रेन में युद्ध के हालातों के बीच करीब 800 राजस्थान के स्टूडेंट्स फंसे हुए हैं। जिन्होंने राजस्थान सरकार से मदद मांगी है। ताकि उनकी सुरक्षित भारत वापसी हो सके। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और विदेश मंत्री को इसके लिए पत्र भी लिख रहे हैं। जिससे यूक्रेन के पड़ोसी देशों- पॉलैंड,हंगरी,स्लोवाक,रोमानिया बॉर्डर से प्रवासी राजस्थानियों और भारतीयों को एयरलिफ्ट किया जा सके। राजस्थान सरकार के नोडल ऑफिसर बनाए गए धीरज श्रीवास्तव ने बताया की यूक्रेन में फंसे राजस्थान के 800 स्टूडेंट्स 50 से 60 हजार रुपए का हवाई खर्च उठाकर कोरोना लॉकडाउन के हालात सुधरने पर पिछले दिनों अपना कोर्स करने गए थे। वहां के अलग-अलग स्टेट के मेडिकल और इंजीनियरिंग कॉलेज-यूनिवर्सिटी में पढ़ रहे ते। पिछले दिनों इन छात्रों को नोटिस भी दिए थे। इसमें हालात ठीक बताए थे। कॉलेज नहीं आने पर अटैंडेंस शॉर्ट करने की बात कही गई थी। इससे भारतीय छात्रों में चिन्ता हो गई थी। अगर अटैंडेंस शॉर्ट हो गई तो वे फेल हो जाएंगे। यूक्रेन में युद्ध की भनक लगने पर भी ये स्टूडेंट्स इसलिए नहीं लौट सके क्योंकि इन्हें वापसी के लिए ज्यादा वक्त नहीं मिला। समय पर यूक्रेन और भारत सरकार ने अलर्ट नहीं किया। 21 फरवरी को एडवाइजरी मिलने के एयरपोर्ट के लिए रवाना हुए, लेकिन 24 फरवरी को ही यूक्रेन से पैसेंजर हवाई सेवाएं बंद हो गईं। इसलिए वहीं फंस गए। वहीं, करीब 500 प्रवासी राजस्थानी, बिजनेसमैन भी यूक्रेन में फंसे हैं। हालांकि राजस्थान फाउंडेशन से ज्यादातर ऐसे स्टूडेंट्स ने ही सम्पर्क किया है। जो वहां के यूनिवर्सिटी-कॉलेजों में MBBS या इंजीनियरिंग की पढ़ाई कर रहे हैं। चिन्ता की बात यह है कि अब तक केवल 34 स्टूडेंट्स ही पिछले 2 दिन में राजस्थान पहुंचने में कामयाब हो सके हैं। 24 फरवरी को 17 स्टूडेंट्स एयर इंडिया फ्लाइट से कीव से दिल्ली पहुंचे। 23 फरवरी को 8 स्टूडेंट्स दिल्ली पहुंचे। जबकि एयर एरेबिया की शारजहां के रास्ते आई फ्लाइट में 9 स्टूडेंट्स सीधा जयपुर एयरपोर्ट पहुंचे।

पूर्व पेंशन योजना के लिए कर्मचारी संगठनों ने व्यक्त किया मुख्यमंत्री का आभार

जयपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से शुक्रवार शाम मुख्यमंत्री निवास पर विभिन्न कर्मचारी संगठनों से जुड़े राज्य कर्मचारियों ने मुलाकात कर राज्य बजट में पूर्व पेंशन योजना सहित अन्य घोषणाओं के लिए आभार व्यक्त किया। प्रदेशभर से आए इन कार्मिकों ने कहा कि 1 जनवरी 2004 से नियुक्त कार्मिकों के लिए एनपीएस के स्थान पर पूर्व पेंशन स्कीम लागू करने की घोषणा से लाखों राज्य कर्मचारी एवं उनके परिजन बेहद खुश हैं। यह ऐतिहासिक निर्णय लेकर मुख्यमंत्री ने उनके भविष्य को सुरक्षित किया है। राजस्थान से इस दिशा में अभूतपूर्व पहल हुई है। इससे केन्द्र एवं अन्य राज्य सरकारों पर भी कर्मचारी कल्याण के उद्देश्य से पूर्व पेंशन योजना को पुन: लागू करने का दबाव बनेगा। कार्मिकों

ने कहा कि उनके द्वारा लंबे समय से न्यू पेंशन स्कीम को समाप्त करने की मांग की जा रही थी। इस योजना के कारण उनमें भविष्य के प्रति काफी चिंता व्याप्त थी। उनकी इस व्यथा को पहली बार किसी सरकार ने समझा है और ऐसा साहसिक एवं अनुकरणीय फैसला किया है। कार्मिकों ने कहा कि बजट में निगम, बोर्ड, उपक्रम, स्वायत्तशाषी संस्थाओं एवं विश्वविद्यालयों के वंचित कार्मिकों को सातवें वेतनमान का लाभ देने, वर्ष 2017 के आदेश के कारण उत्पन्न हुई एसीपी संबंधी विसंगति दूर करने, पदोन्नति के लिए कैडर पुनर्गठन एवं पदों की संख्या बढ़ाने जैसी अन्य घोषणाओं के साथ ही विगत तीन वर्षों में भी राज्य सरकार ने कर्मचारी कल्याण को लेकर सदैव सकारात्मक फैसले लिए हैं।

विधानसभा में यूक्रेन संकट की गूंज

जयपुर। विधानसभा में बजट पर बहस के दौरान एक बार फिर नाथी का बाड़ा की गूंज सुनाई दी। बीजेपी विधायक अशोक लाहोटी ने कहा कि राजस्थान का बच्चा-बच्चा आज कह रहा है कि यह बजट है कि नाथी का बाड़ा है। सदन में ईमानदारी की बात तो करें। इस पर जलदाय मंत्री महेश जोशी ने कहा- आप सही बोल रहे हैं। नाथी का बाड़ा में जो मांगोगे वह मिलेगा, हमारा बजट ऐसा है कि जिसने जो मांगा है, वह मिला है। इस पर लाहोटी ने पलटकर पूछा- यह आप मान रहे हो न कि यह बजट नहीं नाथी का बाड़ा है। महेश जोशी बोले फिर बोले- बिल्कुल मानते हैं। इस बीच सभापति राजेंद्र पारीक ने कहा- नाथी के बाड़े के हवाले पांच दिन हो गए, अब तो माफ करो सदन को। पांच दिन तो इसी में चले गए, अब तो सदन को समय दीजिए। दरअसल, बीजपी ने रीट की सीबीआई जांच की मांग को लेकर राज्यपाल के अभिभाषण से लेकर चार दिन बहस के बाद सीएम के जवाब तक सदन में लगातार रीट के मुद्दे पर हंगामा किया था और सदन की कार्यवाही का बहिष्कार किया था। बीजेपी विधायक अशोक लाहोटी ने बजट प्रावधान और बढ़ते कर्ज को लेकर सरकार को घेरा। अशोक लाहोटी ने कहा- मुख्यमंत्री अलग से कृषि बजट का ढिंढोरा पीट रहे हैं, लेकिन असलियत में इस बार कृषि क्षेत्र का बजट पिछली बार से 10 रुपए कम कर दिया। किसान का मान रखने के लिए ज्यादा नहीं तो पिछली बार से टोकन मनी जितना ही बजट बढा देते, लेकिन आपने तो 10 रुपए कम कर दिया।

रंग ला रही है पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र की पहल

शेषपुर में संत मावजी के चौपड़े का डिजिटलाईजेशन का कार्य प्रारंभ

उदयपुर। बेणेश्वर धाम पर स्थित करीब 400 साल पुरानी कलाकृतियों को संरक्षित करने की दृष्टि से पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र उदयपुर द्वारा की गई पहल रंग ला रही है। केंद्र की पहल पर लिए गए संत मावजी के चौपड़ों के डिजिटलाइजेशन के कार्य के तहत शुक्रवार से जिले के शेषपुर मंदिर में संग्रहित चौपड़े के डिजिटलाइजेशन का कार्य प्रारंभ कर दिया गया है।

चौपड़े के चित्रों की रेप्लिका तैयार होंगी

भारतीय प्रशासनिक सेवा की वरिष्ठ अधिकारी एवं पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र, उदयपुर की निदेशक किरण सोनी गुप्ता ने बताया कि बेणेश्वर धाम के महंत अच्युतानंद महाराज के आग्रह पर कलाकृतियों के डिजिटलाइजेशन का कार्य शुरू किया गया है और प्रथम चरण में साबला व शेषपुर स्थित संत मावजी के चोपड़े का डिजीटलाइजेशन करते हुए इनकी (रेप्लिका) प्रतिकृतियां तैयार करवाई जाएगी। दूसरे चरण में बांसवाड़ा व पूंजपुर मंदिरों के चौपड़े की फोटोग्राफी करवाई जाएगी। उन्होंने कहा कि जनजाति बहुल दक्षिण राजस्थान की कला-संस्कृति अनूठी है, इसके संरक्षण-संवर्धन के प्रयासों के तहत यह कार्य हाथ में लिया गया है। डिजीटलाइजेशन के बाद कलाकारों के माध्यम से इसकी प्रतिकृतियां तैयार करवाते हुए शिल्पग्राम में

इनकी प्रदर्शनी लगाई जाएगी।

शेषपुर चोपड़े की फोटोग्राफी पूर्ण

चौपड़ों के डिजिटलाइजेशन कार्य के समन्वयक व उदयपुर के सूचना एवं जनसंपर्क उपनिदेशक डॉ. कमलेश शर्मा ने बताया कि केंद्र द्वारा गत दिनों टेंडर प्रक्रिया के माध्यम से एक फर्म को इन कलाकृतियों के डिजिटलाइजेशन का कार्यादेश दिया गया है। फर्म द्वारा गत दिनों हरि मंदिर साबला स्थित चोपड़े की फोटोग्राफी के बाद शुक्रवार को शेषपुर मंदिर स्थित चोपड़े की फोटोग्राफी की गई। फर्म द्वारा मूल चौपड़े के साथ ही करीब दस फीट कपड़े पर चित्रित कलाकृति की भी फोटोग्राफी की गई। इन फोटॉग्राफ को एडिट करने के बाद प्रदर्शनी के लिए सॉफ्ट व हार्ड कॉपी तैयार की जाएगी। इसके साथ ही एक डिजिटल बुक भी तैयार कर ऑनलाइन उपलब्ध कराने की योजना है। बेणेश्वरधाम से जुड़े गुरुभक्त मांगीलाल गर्ग, यशवंत मेहता, अभिषेक शर्मा, मनोहर लाल किकोड़, हीरालाल खासोर, जगदीश सरवार, धनेश्वर मीणा, अनिल खासोर आदि ने चौपड़े का डिजिटलाइजेशन कार्य करवाया। इस मौके पर पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र के करणसिंह, सुरेश छाबड़ा, रामजी भाई आदि मौजूद थे।

डिजिटलाइजेशन कार्य का जल्द होगा लोकार्पण

धाम के महंत अच्युतानंद महाराज ने बताया कि बेणेश्वर धाम की प्राचीनता, संत मावजी और इनके परवर्ती संतों, मावजी रचित चारों चौपड़ों, इनमें उकेरे गए भविष्य दर्शाते चित्रों, धाम की धार्मिक महत्ता और इससे संबंधित परंपराओं, बेणेश्वर धाम मेला और इसके वैशिष्ट्य को देखते हुए यदि बेणेश्वर केंद्रित प्रदर्शनी या संग्रहालय बनता है तो श्रद्धालुओं और गुरुभक्तों को खुशी होगी। पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र चौपड़ों का डिजिटलाइजेशन कर रहा है, यह सराहनीय कार्य है। इससे संत मावजी और बेणेश्वरधाम की महत्ता और गौरव दिकदिगंत तक प्रसारित होगा। यदि डिजिटलाइजेशन हो जाएगा तो जल्द ही मुख्यमंत्री महोदय के हाथों इसका लोकार्पण भी करवाया जाएगा और धाम व पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र में प्रदर्शनी आयोजन की योजना भी है।